Publication : Rajasthan Patrika	Subject : AVI requests Rajasthan Govt to Regulate Vaping
Date of Publish : 07th June 2018	Edition : Jaipur

राष्ट्रदूत

'ई-सिगरेट पर रोक नहीं लगाने की मांग

जयपुर, (कासं)। एसोसिएशन ऑफ वैपर्स इंडिया (एवीआई) ने राज्य सरकार से ई-सिगरेट और वैपिंग पर रोक लगाने के बजाय इसे विनियमित करने के लिए एक नीति तैयार करने की मांग की है।

जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में एवीपीआई के डायरेक्टर सम्राट चौधरी ने बताया कि ग्लोबल एडल्ट टोबाको सर्वे (जीएटीएस)-2 के मुताबिक राजस्थान में 68 लाख लोग सिगरेट और बीड़ी पी रहे हैं। एकदम से किसी भी चीज को बैन करने के परिणाम अच्छे नहीं होते हैं।

एक तो इससे उन चीजों की तस्करी बढ़ जाती है, दूसरा लोग नीची क्वालिटी का खरीदकर उसे पीना करते हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। सबसे पहले यह बात सरकार को ही समझनी होगी की ई-सिगरेट को बंद करने के बजाय प्रदेश में इसे शुरू करें।

धूम्रपान की तुलना में ई-सिगरेट कम नुकसानदायक है लेकिन वह उनके लिए है जो नशा करते हैं। नशा नहीं करते उनके लिए नहीं है। इसको अपनाने से धूम्रपान करने वालों को होने वाला संभावित नुकसान 95 प्रतिशथ कम हो जाता है। तंबाकू की तुलना में इसमें टार व अन्य जहरीले रसायन नहीं होते हैं, जिनकी वजह से तम्बाकू से होने वाली मौते होती है। ई-सिगरेट में निकोटिन होता है जिससे नशा होता है लेकिन यह घातक नहीं होता है।